एमएसएमई सेक्टर को बजट से नई ताकत देने की कोशिश

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। यूपी का एमएसएमई सेक्टर उद्योगों की संख्या और रोजगार के लिहाज से सबसे आगे है। निर्यात में भी इसकी हिस्सेदारी देश में सर्वाधिक 40 प्रतिशत है। केंद्रीय बजट में रोजगार पर सबसे ज्यादा फोकस है। इससे एमएसएमई सेक्टर को नई ताकत देने की कोशिश है। चाहे मुद्रा योजना विस्तार हो या एमएसएमई इकाइयों को आसान और सस्ता कर्ज दिलाने की राह खोलना हो। इस मुहिम का सबसे ज्यादा फायदा यूपी को होगा। यह बात एमएसएमई विभाग प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कही। वह

90 लाख एमएसएमई, बाकी की अपेक्षा में यूपी में दोगुने

रविवार को गोमतीनगर के निजी होटल में लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन और लद्यु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

आलोक कुमार ने बताया कि केंद्रीय बजट में कृषि के अलावा एमएसएमई और रोजगार पर फोकस है। उत्तर प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर का काफी हद तक विस्तार हुआ है। प्रदेश में 90 लाख एमएसएमई हैं, जो दूसरे राज्यों की तुलना में दोगुने हैं।